शब्द–ब्रह्म
ISSN 2320 – 0871
भारतीय भाषाओं की अंतर्राष्ट्रीय मासिक शोध पत्रिका
17 अप्रैल 2015
पीअर रीव्यूड रिसर्च जर्नल

लोनी कस्बे का उद्भव एवं विकास

अरविन्द कुमार वर्मा (प्रवक्ता भूगोल)
सम्राट पृथ्वीराज चौहान डिग्री कालेज, बागपत
संदीप कुमार (छात्र एम.ए.)
भूगोल विभाग चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय
मेरठ, उत्तरप्रदेश, भारत

लोनी कस्बे का उद्भव

लोनी कस्बा उत्तर प्रदेश राज्य के गाजियाबाद जनपद के अन्तर्गत आता है, जिसका अक्षांशीय विस्तार 28045' उत्तर और देशान्तरीय विस्तार 77017' पूर्व पर स्थित है, जो देश की राजधानी दिल्ली से मात्र 16 किमी की दूरी पर है, जिसके उत्तर दिशा में बागपत कस्बा मात्र 23 किमी. व पूर्व दिशा में गाजियाबाद नगर 19 किमी. की दूरी पर स्थित है। पूर्व दिशा में लोनी के लिये दिल्ली सहारनपुर शामली रेलमार्ग पर लोनी रेलवे स्टेशन स्थित है। लोनी एक प्राचीन कस्बा है। बहुत सारी कहानियां यहां से जुड़ी हुई हैं। यह शाहदरा सहारनपुर राजमार्ग पर स्थित ऊंचे टीले पर बसा हुआ है। उस टीले पर मोहल्ला अपरकोट बसा हुआ है। मुगल काल में यहां पर एक किले का निर्माण किया गया था।

लोनी अपने विकासखण्ड का मुख्यालय है। एच.आर. नेविल द्वारा सम्पादित गजेटियर में बताया गया है कि लोनी कसबे को किसी लवणासुर नामक व्यक्ति ने बसाया था किंतु ये लवणासुर कौन था, इस संबंध में कुछ उपलब्ध नहीं होता किंतु प्राचीन ग्रंथों के अध्ययन से पता चलता है कि लवण नामक व्यक्ति असुर संस्कृति का था। ऋग्वेद के अनुसार असुर समुदाय प्रतिभावान, ख्याति प्राप्त और वीर समुदाय था। इसकी विचारधारा अहिंसामूलक आध्यात्मवादी विचारधारा से ओतप्रोत थी। असुर अनार्य सम्राटों का क्षेत्र मेरठ, गढमुक्तेश्वर, गाजियाबाद वर्तमान-नोएडा मथुरा दिल्ली लोनी बागपत तक फैला हुआ था। मेरठ का सम्राट मयकासुर गढ में सम्राट नहुश मथुरा से दिल्ली तक में सम्राट मधु और लोनी से बागपत क्षेत्र में लवणासुर राज्य करता था। ये शोध पत्रों की दिमागी अटकलें मात्र नहीं बल्कि रामायण में भी यह उल्लेख उपलब्ध है कि पहले समस्त भूतल असुरों के अधिकार में थी। कालांतर में लवणी का नाम अपभ्रंष होकर लवनी (लोनी) हो गया। किसी प्रकार की प्राकृतिक हलचलों के कारण यह नगर पलट गया जो आज तक ऊंचे टीले के रूप में दिखाई देता है।

इस सम्बंध में दिल्ली सल्तनत नामक ग्रन्थ में लिखा है कि तैमूरलंग सुल्तान ने एक लाख कैदियों को यहां लाकर कत्लेआम करवाया। यह स्थान मोहल्ला अपरकोट कहलाता है। यह लिखा है कि वह मेरठ की ओर लूटपाट करता चला गया। पहले शाही मार्ग शाहदरा से बेहटा हाजीपुर, फरूखनगर, बहादुरपुर होता हुआ मुरादनगर जाता

था। अतः सुल्तान चाहे इस मार्ग से होकर मेरठ गया हो अथवा बागपत से होकर दोनों तरफ से लोनी क्षेत्र बीच में पड़ता है। अतः यह स्पष्ट होता है कि लोनी लूटपाट और कत्लेआम से अछूता नहीं रहा था।

सन् 1859 में लोनी को दिल्ली सूबे से पुनः मेरठ जिले में शामिल किया गया, इसमें 130 गांव और 132 जागीरें जिनमें से 104 जागीर वह भी थी जो 1852 ई. में दिल्ली सूबे को सुपुर्द की जा चुकी थी। 26 गांवों के साथ मेरठ को सुपुर्द कर दी गयी। इस प्रकार मुगल सल्तनत का लोनी ब्रिटिश सरकार द्वारा कभी दिल्ली सूबे में और कभी मेरठ जिले में सम्मिलित किया जाता रहा। गाजियाबाद जिला बनाए जाने पर अब लोनी को गाजियाबाद में षामिल किया गया और लोनी कस्बे का नगर पालिका परिषद द्वारा प्रशासन किया जाता है। यह कस्बा औद्योगिक खड्डियों का केन्द्र रहा है। यहां के जुलाहों द्वारा बुने गए खेस सूती तथा लिहाफ जिले भर में प्रसिद्ध हैं। आज यहां दुर्गा देवी का मन्दिर, गुरू रविदास मंदिर, एक विशाल गुरूद्वारा, 40 फीट ऊंची 30 मार्च 1999 में निर्मित विशालकाय हनुमान जी की मूर्ति लोनी कस्बे की पहचान बनी हुई है।

लोनी कस्बे का विकास

1.लोनी कस्बे का नामकरण

प्राचीन ग्रन्थों के अध्यन से पता चलता है कि लवणासुर नामक असुर संस्कृति के व्यक्ति के नाम पर ही इस कस्बे का नाम लवणी फिर धीरे-धीरे लवनी से लोनी के नाम से जाना जाने लगा। किसी प्रकार प्राकृतिक कारणों से यह नगर पलट गया जो आज तक ऊंचे टीले के रूप में दिखाई देता है, वर्तमान समय में यहाँ पर मोहल्ला अपरकोट के व्यक्ति निवास करते हैं।

2.विभिन्न शासकों का प्रभाव

लोनी कस्बा रामायणकालीन एवं महाभारत कालीन समय का माना जाता है। यहां पर प्राचीन समय से ही दिल्ली के नजदीक होने के कारण अलग-अलग शासकों का प्रभाव रहा, असुरों के शासन के बाद राजा सबकरण इल्तुतमिश एवं मुहम्मद तुगलक, तैमूरलंग का विशेष प्रभाव रहा।

3.धर्म का प्रभाव

प्राचीन समय से ही मुस्लिम धर्म के शासकों के प्रभाव के कारण लोनी कस्बे में अधिकतर मुस्लिम धर्म के व्यक्ति निवास करते हैं, जो आज भी पुराने इलाकों में निवास करते हैं। धीरे-धीरे लोनी कस्बे का विस्तार होता चला गया और आस-पास के क्षेत्रों में, गांव में निवास करने वाले व्यक्ति, उद्योगों में कार्य करने वाले व्यक्तियों ने रहना प्रारम्भ कर दिया।

4.कस्बे की बढ़ती जनसंख्या

जैसा कि प्राचीन अभिलेखों से पता चलता है कि लोनी कस्बे पर विभिन्न शासकों का प्रभाव रहा, जिसके कारण मानवीय जीवन काफी प्रभावित हुआ लोनी कस्बे के निकाय के गठन से पूर्व यहां जनसंख्या 4 हजार थी जो 1 मई 1971 तक 6 हजार हो गई, धीरे-धीरे जनसंख्या बढ़कर 1981 में 10281 हो गई। लोनी कस्बे में प्रथम बार चुनाव 1988 में सम्पन्न हुआ जिसमें 11 वार्डों का निर्माण किया गया। रूपनगर औद्योगिक क्षेत्र जो लोनी कस्बे में स्थित है ने काफी विकास किया जिससे आस-पास कार्य करने वाले व्यक्तियों ने यहीं रहना प्रारम्भ कर दिया जो सन् 1991 में जनसंख्या 36561 हो गई, धीरे-धीरे जनसंख्या के बढ़ने के कारण 1994 में वार्डों की संख्या बढ़ाकर

कुल 18 वार्ड बना दिये गये। वर्ष 2001 में 4 ग्राम पंचायतों को भी लोनी कस्बे में मिला दिया गया व जनसंख्या बढ़कर 310328 हो गई। बढ़ती आबादी के कारण वर्ष 2006 में लोनी कस्बे में 45 वार्डों का गठन कर दिया गया।

5.व्यापार एवं परिवहन मार्गों के विकास का प्रभाव

लोनी कस्बे में धीरे-धीरे कई छोटे-छोटे उद्योगों की स्थापना की गई जिसमें जिन्स बनाने की फेक्ट्रियां, जरकीन बनाने की फेक्ट्रियां व केमिकल बनाने की फेक्ट्रियों का विकास किया गया। वर्तमान समय में यहां पर बने सामानों को तैयार कराकर दूर दराज के क्षेत्रों में भी निर्यात किया जाता है। जिसमें परिवहन के मार्गों की विशेष सहायता प्राप्त होती है।

6.सड़कों व नवीन कालोनियों का विकास

कस्बे की बढ़ती जनसंख्या के कारण नवीनतम कालोनियों का निर्माण किया गया व नई-नई सड़कों की व्यवस्था की गई, जिसमें लोनी कस्बे के विकास पर विशेष प्रभाव पड़ा। पार्कों की व्यवस्था एवं विद्युतीकरण की व्यवस्था भी की गयी, जिसमें लोनी कस्बा वर्तमान समय में विकास की ओर अग्रसर है।

7.दिल्ली महानगर की निकटता का प्रभाव

दिल्ली महानगर लोनी कस्बे के निकट स्थित होने के कारण प्राचीन समय से ही विभिन्न शासकों का प्रभाव रहा है। जिन शासकों का दिल्ली पर अधिकार रहा उसके प्रभाव का असर लोनी पर भी होता रहा। वर्तमान समय में लोनी कस्बा देश की राजधानी से सटा हुआ है, जिसके कारण दिल्ली महानगर में उद्योगों में कार्य करने वाले, नौकरी करने वाले, व्यापार करने वाले सभी वर्ग के व्यक्ति लोनी कस्बे में निवास करते हैं। बाजार की निकटता एवं रोजगार के साधनों के कारण लोनी कस्बे में निवास करने वाले व्यक्तियों की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है व लोनी कस्बे का क्षेत्रफल भी दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है।

सन्दर्भ ग्रन्थ

1 जिला गजेटियर, ए.आर. नेविल

2 लोनी टाईम्स साप्ताहिक, 27 जनवरी से 2 फरवरी 2008

3 लोनी टाईम्स साप्ताहिक, 26 जनवरी से 1 फरवरी 2009

4 लोनी टाईम्स दैनिक, 23 दिसम्बर 2007

5 लोनी एक परिचय, नगर पालिका लोनी